सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 269 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 10 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

किसी की निंदा ना करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो जरुर बढाएं। अगर नहीं बढ़ा सकते, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिये, और उन्हें अपने मार्ग पे जाने दीजिये।

-स्वामी विवेकानंद

संजय राउत के बदले सुर, कयासों... 8 | मैनपुरी-रामपुर उपचुनाव का रण... 3 | बिहार: कर्ज से परेशान परिवार के... 7

बहू संभालेंगी ससुर की विरासत

डिंपल होंगी मैनपुरी से सपा उम्मीदवार

कन्नौज से दो बार रह चुकी हैं सांसद

2014 में कन्नौज सीट पर दूसरी बार जीत दर्ज की थी।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी का एलान गुरुवार को कर दिया है। सपा ने इसकी जानकारी कार्यालय द्वारा जारी चिट्ठी को अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर दी। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी से अपना कैंडिडेट बनाया है।

- सपा के लिए अहम है यह सीट
- अखिलेश की प्रतिष्ठा दांव पर
- 2024 के लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा असर

सपा ने डिंपल यादव के नाम का एलान करते हुए ट्वीट कर लिखा, समाजवादी पार्टी द्वारा लोकसभा क्षेत्र मैनपुरी उपचुनाव-2022 हेतु डिंपल यादव पूर्व सांसद को प्रत्याशी घोषित किया गया है। इस संबंध में पार्टी कार्यालय द्वारा जारी चिट्ठी भी जारी कर दी गई है। उस पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का हस्ताक्षर है। हालांकि डिंपल यादव इससे पहले भी सपा के टिकट पर सांसद रह चुकी हैं। वे दो बार सांसद भी रह चुकी हैं। पहली बार उन्होंने कन्नौज लोकसभा सीट से उपचुनाव में जीत दर्ज की थी। जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने कन्नौज की सीट छोड़ी थी। जहां से डिंपल यादव ने चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी।

इसके बाद 2014 की मोदी लहर में भी उन्होंने कन्नौज की सीट पर जीत दर्ज की थी। तब सपा से केवल पांच उम्मीदवार ही लोकसभा चुनाव जीते थे। उन पांच उम्मीदवारों में डिंपल यादव भी शामिल थीं। लेकिन फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अब मैनपुरी के सांसद और पार्टी संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद फिर से इस सीट पर पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर 10 नवंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वहीं 17 नवंबर तक नामांकन होगा। जबकि 21 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद पांच दिसंबर को वोटिंग और आठ दिसंबर को काउंटिंग होगी।

मैनपुरी उपचुनाव के लिए आज से नामांकन, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए आज से कलक्ट्रेट में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई, जो 17 नवंबर तक चलेगी। नामांकन स्थल को सुरक्षा के लिहाज से छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हर तरफ के प्रवेश को रोकने के लिए बैरिकेडिंग कराने के साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को नामांकन के दौरान प्रवेश नहीं मिल सकेगा। पुलिस अधीक्षक कमलेश दीक्षित ने भी नामांकन से पूर्व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। 10 नवंबर से लेकर 17 नवंबर तक उपचुनाव के लिए नामांकन होगा। कलक्ट्रेट स्थित जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष को नामांकन कक्ष बनाया गया है। यहां जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह को प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र सौंपेंगे। नामांकन के लिए प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। पूरे कलक्ट्रेट परिसर में इसके लिए दोहरी बैरिकेडिंग कराई गई है। नामांकन स्थल पर चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

गुजरात विस चुनाव: भाजपा की पहली सूची जारी

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, हार्दिक पटेल और रवींद्र जडेजा की पत्नी बनाए गये प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 160 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने घाटलोडिया विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, मोरबी सीट से कांतिलाल अमृतिया को टिकट दिया है।

सबसे अहम बात यह है कि क्रिकेटर रविंद्र जड़ेजा की पत्नी को जामनगर नॉर्थ से टिकट दिया गया है। वहीं, हार्दिक पटेल विरमगाम सीट से पहली बार कोई चुनाव लड़ेंगे। भाजपा की पहली सूची में 14 महिलाओं को टिकट मिला है। 69 सिटिंग विधायकों को टिकट दिया गया है। 99 में से 69 को टिकट मिला है, यानी 30 लोगों का टिकट कट गया है। राजकोट पश्चिम से विजय रूपाणी चुनाव लड़ते थे, उनकी जगह डॉक्टर दर्शिता शाह को टिकट मिला है। बता दें कि 182 विधानसभा सीटों वाले गुजरात में दो चरणों 1 और 5 दिसंबर को मतदान होना है। नतीजे 8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ आएंगे। बुधवार को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए थे। इस बैठक में गुजरात की सभी 182 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई थी।

भाजपा की सूची की मुख्य बातें

- भाजपा ने 182 में से 160 नामों का एलान कर दिया।
- इनमें से 84 नाम पहले चरण के उम्मीदवारों के हैं।
- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया से चुनाव लड़ेंगे।
- भाजपा ने 30 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं।
- सूची पर मोरबी हादसे का भी असर दिखा।
- मोरबी से मौजूदा विधायक बृजेश मेरजा का टिकट कटा।
- हार्दिक पटेल को विरमगाम से टिकट मिला है।
- क्रिकेटर रविंद्र जाडेजा की पत्नी रिवाबा को जामनगर नॉर्थ से टिकट।
- 2017 में कांग्रेस से चुनाव लड़े 7 उम्मीदवारों को भाजपा ने इस बार टिकट दिया है।
- भाजपा की लिस्ट में 14 महिलाओं का नाम शामिल है।

अपना गढ़ बचाने के लिए भाजपा लगा रही है पूरी ताकत

कल हुई भाजपा बैठक के दौरान सभी 182 उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई और आज 160 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी गयी। चुनाव में सीटों पर जीत के लिहाज से नया रिकार्ड बनाने के मकसद से पार्टी संगठन पूरी ताकत से लगा रहा है। पार्टी को सुझाव मिले हैं कि उसे नए और युवा चेहरों को चुनना चाहिए। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 99 और उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थीं। जिसके बाद भाजपा अब कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती।

चुनी हुई सरकार के साथ उदासीनता का व्यवहार कर रहे हैं अफसर : सिसोदिया

» डिप्टी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में दायर किया हलफनामा

» एक बार फिर दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच गतिरोध आया सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना के बीच गतिरोध जारी है। लगातार दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। इसी बीच डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर सरकारी अफसरों की शिकायत की है। इस हलफनामे में सिसोदिया ने सिलसिलेवार कई मुद्दों का जिक्र किया है। डिप्टी सीएम ने अपने हलफनामे में कहा है कि 'अफसर मीटिंग में नहीं आते हैं, हमारा कॉल भी नहीं उठाते, मंत्रियों के आदेशों की अवहेलना करते हैं साथ ही चुनी हुई सरकार के साथ उदासीनता का व्यवहार करते हैं।'

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सुप्रीमकोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा कि ये सारी समस्या पहले भी थीं, लेकिन उपराज्यपाल वीके सक्सेना की नियुक्ति के बाद समस्या और भी विकट हो गई हैं। इसमें कहा गया है, 'सरकारी कर्मचारी और चुनी हुई सरकार के बीच किसी भी तरह के सहयोग पर दंडित करने की मांग की जाती है और

सरकार के प्रति असंतोष को प्रोत्साहित किया जा रहा है।' गौरतलब है कि वीके सक्सेना ने मई 2022 में उपराज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला था, जिसके बाद से केजरीवाल सरकार और एलजी केबीच कई मुद्दों पर टकराव चल रहा है।

दिल्ली में सेवाओं पर किसका नियंत्रण?

सुप्रीमकोर्ट में दाखिल हलफनामे में इस बात पर फैसला करने की बात कही गई है कि आखिरकार दिल्ली में सेवाओं पर किसका नियंत्रण है? इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार को पार्टी बनाने हुए हलफनामा दायर किया गया है। 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र और दिल्ली सरकार की विधायी और कार्यकारी शक्तियों के दायरे पर कानूनी मुद्दे की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी। हलफनामे में कहा गया है कि, 'अफसर बैठक में तो भाग लेते ही नहीं है साथ ही मंत्रियों के टेलीफोन कॉल का जवाब भी नहीं देते हैं। आधिकारिक मामलों पर चर्चा करने के लिए जब नेता उन्हे कार्यलय बुलाते हैं तो वो वहां भी नहीं आते हैं। हलफनामे में उदाहरण देकर बताया गया कि प्रमुख सचिव ने उपमुख्यमंत्री की कॉल लेने या इस कार्यालय में वित्त विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने से इनकार कर दिया है।

राजद प्रमुख लालू को मिलेगी नई जिंदगी, बेटी रोहणी देंगी अपनी किडनी

» सिंगापुर में होगा किडनी ट्रांसप्लांट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लंबे समय से बीमार चल रहे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। लालू प्रसाद को उनकी बेटी ने ही अपनी किडनी देने का फैसला किया है। लालू-राबड़ी की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य जो सिंगापुर में रहती हैं, उनकी किडनी से राजद प्रमुख को नई जिंदगी मिलने वाली है। एक साथ कई बीमारियों से लड़ रहे लालू का सिंगापुर में ही किडनी ट्रांसप्लांट होना तय हुआ है। सबसे अहम बात यह है कि सिंगापुर के डाक्टरों ने अपनी स्वीकृति दे दी है। किडनी ट्रांसप्लांट के मकसद से सारी तैयारियां भी कर ली गई हैं।

सिंगापुर में रहकर भी रोहिणी आचार्या अपने परिवार के संपर्क में रहती हैं। रोहिणी आचार्य इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बिहार की राजनीति में भी हस्तक्षेप करती रहती हैं। कई बार वह अपने परिवार पर होने वाले राजनीतिक हमलों ने बचाव के तौर पर सामने आती रही हैं। चाहे सुशील मोदी पर हमला बोलना हो या फिर से दूसरे राजनीतिक दल के नेता पर रोहिणी आचार्य सोशल मीडिया का बखूबी इस्तेमाल कर आक्रामक तेवर अख्तियार करती रही हैं। लालू के अस्वस्थ होने के बाद से रोहिणी सिंगापुर में उनका इलाज कराने के लिए परिवार पर लगातार दबाव बना रही थीं।

उन्होंने खुद पहल की और किडनी सेंटर में बात कर इलाज का रास्ता प्रशस्त किया। हालांकि खुद लालू प्रसाद यादव अपनी बेटी से किडनी लेने के पक्ष में नहीं थे लेकिन आखिरकार रोहिणी ने उन्हें इसके लिए तैयार भी किया। लालू यादव को रोहिणी आचार्या ने बखूबी समझाया कि परिवार के सदस्यों की किडनी लेने पर सफलता की दर ज्यादा रहेगी।

आयुष कालेजों में फर्जी दाखिले के मामला

वाराणसी में राजकीय आयुर्वेद कालेज के छह छात्र-छात्राएं निष्कासित

» आयुष निदेशालय की सूचना पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आयुष निदेशालय की सूचना पर वाराणसी में राजकीय आयुर्वेद पीजी कालेज चौकाघाट प्रशासन ने छह छात्रों पर कार्रवाई के साथ ही उनको छात्रावास से भी बेदखल कर दिया है। सूबे के राजकीय में 43 और निजी आयुर्वेद कालेजों के 473 दाखिले फर्जी तरीके से किए गए थे। आयुष कालेजों में हुए फर्जी दाखिले के मामले में शासन स्तर पर उच्च स्तरीय जांच पड़ताल जारी है। दूसरी ओर सूबे के आयुर्वेद कालेज ऐसे छात्रों को निलंबन व निष्कासन भी कर चुके हैं। इस क्रम में शासन के निर्देश पर राजकीय आयुर्वेद पीजी कालेज (चौकाघाट) ने सत्र-2021 के बीएएमएस के छह छात्रों को निष्कासित कर दिया है। इसमें दो छात्राएं भी शामिल है। नीट-2021 परीक्षा में शामिल हुए बिना आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथ कालेजों में दाखिला पाने वाले सूबे में 891 छात्रों को अब तक सूबे में सस्पेंड किया जा चुका है। इसमें 43 राजकीय आयुर्वेद कालेजों में व 473 निजी आयुर्वेद कालेजों के बीएएमएस के छात्र शामिल है। राजकीय आयुर्वेद कालेज की प्राचार्य प्रो. नीलम गुप्ता ने बताया कि निदेशालय से सूचना मिलते ही नीतू वर्मा, संदीप, सुख सागर मिश्र, अर्पिता मिश्रा, मो. जुल्फेकार व गौरव कुमार को कालेज से निलंबित व निष्कासित कर दिया है। ये विद्यार्थी वाराणसी के अलावा मीरजापुर, लखनऊ, बलरामपुर सहित अन्य जिलों के थे।

आज थमेगा हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार का शोर

» आखिरी दिन दिग्गजों ने झोंकी ताकत

» शाह, नड्डा, योगी और प्रियंका की रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन है जिसके चलते दिग्गजों ने ताकत झोंक दी है। आज शाम प्रचार थम जाएगा। आज अमित शाह, जेपी नड्डा, प्रियंका गांधी, योगी आदित्यनाथ व सचिन पायलट सहित अन्य दिग्गजों की रैलियां हैं।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजनीतिक दल व प्रत्याशी एढ़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए पूरी ताकत झोकेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, सचिन पायलट भी चुनावी जोश भरेंगे। जेपी नड्डा जिला कांगड़ा के फतेहपुर, अमित शाह सुलह में रैली करेंगे। जेपी नड्डा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी शिमला में रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी संजय सूद के लिए वोट मांग चुके हैं। हालांकि भाजपा का रोड शो लोअर बाजार में था। कांग्रेस माल रोड पर रोड शो कर रही है। योगी व स्मृति इरानी मंडी, कुल्लू व लाहुल स्पीति जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में वीरवार को भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे।

योगी भी भरेंगे हुंकार

योगी आदित्यनाथ कुल्लू जिले के बंजार में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र शौरी, बल्ह के कंसा चौक में इंद्र सिंह व नाचन के धनोटू में विनोद कुमार के पक्ष में मतदाताओं को साधने का प्रयास करेंगे। युवाओं में योगी को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बंजार, कंसा चौक व धनोटू की रैली का असर आसपास के विधानसभा क्षेत्रों में साफ देखने को मिलेगा। भाजपा के स्टार प्रचारक चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राम मंदिर, अनुच्छेद 370 व डबल इंजन सरकार के लाभ गिनाने का भरसक प्रयास करेंगे। मलाणा गांव में लोग चुनावी शोर से दूर है। यहां पर मतदान तो करते हैं लेकिन नियम और कानून अपने ही मानते है।

कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में प्रियंका का रोड शो

हिमाचल में विधानसभा चुनावों में प्रचार का अंतिम दिन है। इसलिए राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं स्टार प्रचारक प्रियंका वाड्रा प्रचार के अंतिम दिन शिमला में रोड शो करेंगी। दोपहर तीन बजे शिल्ली चौक से रोड शो शुरू होगा। यहां से प्रियंका वाड्रा माल रोड पहुंचेंगी। शेर-ए-पंजाब से होते हुए माल रोड व स्कैंडल पाइंट पहुंचेंगी। इसके बाद रिज मैदान होते हुए लक्कड़ बाजार जाएंगी। इस दौरान वह कांग्रेस प्रत्याशी हरीश जनारथा के लिए वोट मांगेंगी। माल रोड के आसपास सुरक्षा का पहरा बढ़ा दिया गया है।

सचिन पायलट भी करेंगे जनसभाएं

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट द्रंग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कौल सिंह ठाकुर के पक्ष में जनसभा करेंगे। इसके अलावा जिला कांगड़ा के रैत में भी केवल पठानिया के पक्ष में जनसभा करेंगे।

फरार चल रहे पूर्व मंत्री हाजी याकूब की मुश्किलें बढ़ी

जल्द लगेगा गैंगस्टर एक्ट, संपत्ति जब्त करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवैध रूप से मीट फैक्टरी चलाने के मामले में फरार चल रहे पूर्व मंत्री हाजी याकूब पर शिकंजा और कसने जा रहा है। हाजी याकूब पर गैंगस्टर एक्ट लगाकर संपत्ति जब्त करने की तैयारी हो रही है।

मीट प्लांट पर छापामारी के बाद हाजी याकूब और उनके दोनों बेटों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का कहना है कि हाजी याकूब पर गैंगस्टर लगाने के लिए पत्रावली विधिक राय के लिए अभियोजन को भेजी है। जल्द ही याकूब पर गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए पत्रावली डीएम कार्यालय भेजी जाएगी।

इससे पहले पुलिस ने हाजी याकूब के मकान की कुर्की भी की थी। सूत्रों की माने तो जल्द ही हाजी याकूब पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई होगी।

मैनपुरी-रामपुर उपचुनाव का रण जीतने के लिए भाजपा लगाएगी पूरी ताकत

» सीएम योगी ने सरकार और संगठन के साथ चुनावी तैयारियों पर किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र और रामपुर विधानसभा क्षेत्र में जीत कर रिकार्ड कायम करने के लिए भाजपा सरकार और संगठन पूरी ताकत के साथ जुटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने चुनावी तैयारी पर मंथन किया। सीएम आवास पर आयोजित बैठक में भूपेंद्र चौधरी और धर्मपाल सिंह ने गोलागोकर्णनाथ विधानसभा उप चुनाव में मिली जीत के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। तीनों के बीच मैनपुरी और रामपुर उप चुनाव की तैयारी को लेकर मंथन हुआ।

चुनाव को लेकर जमीनी फीडबैक के अनुसार योजना बनाने और प्रत्याशी चयन के लिए आगामी 9-10 नवंबर को प्रस्तावित कोर कमेटी की बैठक में चर्चा करने पर बात हुई। मैनपुरी में भाजपा के साथ संघ परिवार और वैचारिक संगठनों को भी सक्रिय कर दिया गया है। जबकि रामपुर में अल्पसंख्यक मोर्चा को सक्रिय किया है। गौरतलब है कि बीजेपी पिछले कई चुनावों से लगातार पन्ना प्रमुखों को महत्वपूर्ण भूमिका सौंपती रही है लेकिन गोला गोकर्णनाथ के उपचुनाव में पार्टी ने पहली बार यूपी में पन्ना समिति का प्रयोग किया। यह प्रयोग सफल रहा। गोला गोकर्णनाथ में सामाजिक समीकरण बहुत अनुकूल न होते हुए भी बीजेपी के पक्ष में गोलबंदी दिखी। इससे पार्टी के रणनीतिकारों के हौसले बुलंद हैं। यूं तो यह यूपी में महज एक विधानसभा सीट का उपचुनाव था लेकिन भाजपा के लिए यह जीत कई मायने में खास है। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों के बाद अब इस विधानसभा सीट के उपचुनाव में भी योगी सरकार के कामकाज पर जनता ने मुहर लगा दी है।

पहले इम्तिहान में भूपेंद्र सिंह हुए पास

बतौर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के सांगठनिक कौशल का यह पहला इम्तिहान था। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह लगातार पन्ना समितियों के गठन से लेकर उनकी सक्रियता पर नजर जमाए रहे। हर समिति में पांच लोगों को रखा गया था। इनके जिम्मे 30-30 वोटों की जिम्मेदारी थी। गोला सीट के इस छोटे से उपचुनाव में जीत हासिल करने को भगवा खेमे ने भारी-भरकम व्यूह रचना की थी। इस चुनाव में सरकार और संगठन का बेहतर तालमेल भी बखूबी देखने को मिला।

उपचुनाव में प्रत्याशी नहीं खड़ा करेगी कांग्रेस, निकाय चुनाव पर फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी नहीं खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि हम निकाय चुनाव की तैयारियों और संगठन के कार्यों में जुटे हुए हैं। बृजलाल खाबरी ने कहा कि यदि हम उपचुनाव में जाते हैं तो हमारा एक महीने का समय खराब हो जाएगा। निकाय चुनाव से पहले उपचुनाव कराए ही इसलिए जा रहे हैं कि दूसरे दलों की निकाय चुनाव की तैयारियां प्रभावित हों। कांग्रेस, आप, सपा और भाजपा का अब दिसंबर में होने वाले निकाय चुनाव पर ही फोकस है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला। बृजलाल खाबरी ने कहा कि यूपी में अभी स्वास्थ्य सेवाएं सबसे खराब स्थिति में हैं। खराब सेवाओं पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। यूपी सरकार की अनदेखी के चलते डेंगू कोरोना से भी ज्यादा गंभीर साबित होगा। मरीज को ड्रिप से जूस चढ़ा दिया जा रहा है। सपा संरक्षक और लोकसभा सदस्य मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट और आजम खान को सजा सुनाए जाने के बाद रिक्त हुई रामपुर विधानसभा सीट के खाली होने के बाद चुनाव आयोग ने पांच दिसंबर को उप चुनाव की घोषणा की थी। वहीं 11 अक्टूबर को खतौली से भाजपा विधायक विक्रम सैनी की विधानसभा सदस्यता भी रद कर दी गई। जिसके बाद चुनाव आयोग ने खतौली विधानसभा सीट पर भी पांच दिसंबर को उपचुनाव की घोषणा कर दी है।

रामपुर में मुस्लिम लाभार्थियों को साधेंगे

रामपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने मुस्लिम मतदाताओं को साधने के लिए 12 नवंबर को मुस्लिम लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन रखा है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि रामपुर विधानसभा क्षेत्र में केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं में मुस्लिम लाभार्थियों का सम्मेलन कर उन्हें बताया जाएगा कि मोदी-योगी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम वर्ग को हर योजना का लाभ दिया है। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को बरेली में पसमांदा समाज का सम्मेलन आयोजन किया जा रहा है।

सपा के गढ़ में सेंध को तैयार ऐसा होगा सियासी प्रहार

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अब समाजवादी पार्टी के दो गढ़ों मैनपुरी और रामपुर पर कब्जा जमाने की कोशिश में है। इसके लिए सत्तारूढ़ दल ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने भी शनिवार को ही उपचुनाव का ऐलान किया था। आजम खान के अयोग्य घोषित होने और मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण यहां उपचुनाव हो रहे हैं। भाजपा की जिला समिति ने संसदीय सीट पर मंथन शुरू कर दिया है। खबर है कि क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों पर पार्टी कैडर की बैठकें जारी हैं और इसकी जानकारियां क्षेत्रीय और प्रदेश नेतृत्व को दी जा रही है। खास बात है कि इन सीटों में से जसवंतनगर का अगुवाई सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव करते हैं। मैनपुरी में करीब 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें 5 लाख यादव और 3-3 लाख शाक्य और ठाकुर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह का कहना है कि पार्टी केंद्र और राज्य सरकार के जन कल्याण योजनाओं पर निर्भर है।

मैनपुरी में शाक्य समाज पर दांव लगा सकती है भाजपा

मैनपुरी में सपा से चुनावी मुकाबले के लिए भाजपा शाक्य समाज के उम्मीदवार पर दांव लगा सकती है। मैनपुरी में यादव और शाक्य मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हो रहे चुनाव में यादव और मुस्लिम वोट एक तरफा सपा को जा सकता है। लिहाजा शाक्य समाज को टिकट देकर भाजपा शाक्य सहित अन्य जातियों को साधकर मुकाबले को मजबूत बनाना चाहती है। हालांकि मैनपुरी और रामपुर चुनाव पर केंद्रीय नेतृत्व की भी पूरी नजर है। दोनों सीटों पर प्रत्याशी चयन में केंद्रीय नेतृत्व भी फीडबैक ले रहा है।

सपा की प्लानिंग, हल्के में नहीं लेगी चुनाव

सपा मुलायम सिंह की निधन के चलते 'सहानुभूति मतों' पर भरोसा कर रही है। खबर है कि पार्टी इस साख की सीट पर कब्जा बरकरार रखने के लिए इस रणनीति को अपना सकती है। सपा प्रवक्ता जूही सिंह का कहना है, 'पार्टी मैनपुरी और रामपुर सीट के उपचुनाव को हल्के में नहीं लेगी। सपा का संगठन स्तर पर काम मजबूत हैं और सीटों से लोगों की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।' संभावनाएं जताई जा रही हैं कि सपा मुलायम के भाई के पोते तेज प्रताप को मैदान में उतार सकती है। साल 2014 में तेज प्रताप ने यहां से जीत दर्ज की थी।

रालोद को साथ लेकर रामपुर-मैनपुरी सीट का उपचुनाव लड़ेगी सपा

रालोद नेता व व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश की तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव में सपा व राष्ट्रीय लोकदल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे और खतौली सीट पर रालोद का प्रत्याशी चुनाव लड़ेगा। इन सभी सीटों पर पांच दिसंबर को मतदान जबकि आठ दिसंबर को चुनाव परिणाम की घोषणा होगी। सपा-रालोद यूपी विधानसभा का चुनाव भी मिलकर लड़े थे। हालांकि, प्रदेश में भाजपा फिर से सत्ता में आने में कामयाब रही।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मौजूदा वक्त की जरूरत है आरक्षण

ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सर्वोच्च अदालत का ताजा फैसला विडंबनापूर्ण है। वैसे भी, आरक्षण की जो मर्यादा कुछ साल पहले नौ जजों की बेंच ने तय की थी, एक तरह से उस पर भी पांच जजों की पीठ ने निर्णय दिया है। जाहिर है, आरक्षण एक समाज वैज्ञानिक उपकरण है, जिसका इस्तेमाल अब राजनीति के माहिर खिलाड़ी करने लगे हैं।

चार दिन पहले सर्वोच्च अदालत ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 फीसदी आरक्षण के फैसले को सही ठहराया है यानी गरीब सवर्णों के कोटे की वैधानिकता तय कर दी गई है। मगर इस फैसले के कई पहलू ऐसे हैं, जिन पर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। चिंता की बात यह भी है कि आरक्षण को लेकर समाज का दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है और समाज विज्ञानियों के अलावा शायद ही कोई अन्य आरक्षण व्यवस्था का तार्किक, दार्शनिक और नैतिक आधार जानता है। हमारे मुल्क में जो सामाजिक व्यवस्था है, उसमें किसी भी अन्य देश की तरह कुछ ताकत के कारक हैं, तो कुछ दोष के। इन गड़बड़ियों को दूर करने की जिम्मेदारी आजादी के बाद की पीढ़ी की थी और इसके लिए संविधान नामक मार्गदर्शक दस्तावेज भी बनाया गया। इसमें उन वर्गों और समुदायों के लिए विशेष अवसर के प्रावधान किए गए, जिनको हम वंचित कहते हैं। अपने देश में भेदभाव के चार आधार रहे हैं- लिंग भेद, जाति भेद, गरीबी-अमीरी और धर्म या धार्मिक बहुसंख्यक। आरक्षण की व्यवस्था इसीलिए की गई कि जो लोग पीछे हैं या जिन लोगों के पांवों में हमने परंपराओं की जंजीर बांध रखी थी, वह जंजीर राजनीतिक समानता पैदा करने से तो टूट गई, लेकिन आर्थिक व सामाजिक समानता के लिए उनमें नेतृत्व-निर्माण और क्षमता-विस्तार भी आवश्यक था। क्षमता-विस्तार के लिए शिक्षा के अधिकार की जरूरत थी, तो नेतृत्व-निर्माण के लिए आरक्षण की। आज यदि गरीबी का समाधान भी आरक्षण में खोजा जा रहा है, तो यह संविधान की प्रतिकूल व्याख्या ही कही जाएगी। गरीबी दूर करने के लिए रोजगार के अधिकार की आवश्यकता है, आरक्षण की नहीं।

यही वजह है कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सर्वोच्च अदालत का ताजा फैसला विडंबनापूर्ण है। वैसे भी, आरक्षण की जो मर्यादा कुछ साल पहले नौ जजों की बेंच ने तय की थी, एक तरह से उस पर भी पांच जजों की पीठ ने निर्णय दिया है। जाहिर है, आरक्षण एक समाज वैज्ञानिक उपकरण है, जिसका इस्तेमाल अब राजनीति के माहिर खिलाड़ी करने लगे हैं। यहां मेरी मंशा न्यायमूर्तियों के विवेक पर सवाल उठाने की कतई नहीं है। वे सब गुणी हैं, पर यह सवाल भी गलत नहीं कि जिस मुद्दे पर नौ जजों की बेंच ने एक निर्देश जारी किया था, क्या उसे पांच जजों की पीठ ने महत्वहीन नहीं बना दिया? संविधान की आत्मा तो यही कहती है कि जो लोग सामाजिक व शैक्षणिक रूप से कमजोर हैं, उन्हीं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए, और जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, उनके लिए नियोजन की। ईडब्ल्यूएस आरक्षण की व्यवस्था संविधान के तहत नहीं, वोट-बैंक के लिए की गई और अदालत ने इसे जारी रखकर एक तरह से निराश ही किया है। हम आशा करते हैं कि प्रधान न्यायाधीश पूर्ण सांविधानिक पीठ का गठन करके तमाम उलझनों को दूर करेंगे, जबकि शासन देश के जाने-माने समाज विज्ञानियों का आयोग बनाकर आरक्षण व्यवस्था की मर्यादा बचाने के उपाय तलाशेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रदूषण पर अविलंब चेतने की जरूरत

आशुतोष चतुर्वेदी

ठंड के मौसम में साल दर साल यह कहानी दोहरायी जाती है। इस मौसम के आते ही हवा भारी हो जाती है और दिल्ली पर प्रदूषण की चादर छा जाती है। पिछले कई वर्षों से लगातार प्रदूषण पर चिंताजनक रिपोर्ट आ रही हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है। जैसे हम सभी किसी बड़े हादसे के इंतजार में हों। इसके पहले हमने छठ के अवसर पर दिल्ली में यमुना की स्थिति भी देखी थी। तस्वीरें सामने आयी थीं कि झाग के पानी के बीच लोग अर्घ्य दे रहे थे। देश की राजधानी की यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। देश की राजधानी गैस चैंबर बन जाए और वह भी प्राकृतिक आपदा से नहीं, बल्कि मानव निर्मित कारणों से, फिर भी समाज में इस पर कोई विमर्श नहीं हो रहा हो, तो यह गंभीर सवाल है कि क्या हम किसी हादसे के बाद ही चेतेंगे? हर साल दिल्ली में प्रदूषण को काबू करने के तमाम जतन फेल हो जाते हैं, क्योंकि दिल्ली से सटे राज्यों में बड़े पैमाने पर पराली जलायी जाती है। यह देश का दुर्भाग्य है कि जनहित के विषय भी राजनीति से अछूते नहीं रह पाते हैं।

हल निकालने के बजाय गेंद एक-दूसरे के पाले में फेंकने की कोशिश होती है। पहले पराली जलाने के लिए पंजाब के किसानों को जिम्मेदार बता कर पंजाब सरकार से सहयोग न मिलने की बात कही जाती थी, लेकिन अब तो दिल्ली और पंजाब, दोनों में एक ही दल की सरकार है। जाहिर है कि यह इच्छाशक्ति की कमी का मामला है। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान भी पराली जलाते हैं। दिल्ली के प्रदूषण में ये भी योगदान देते हैं। केंद्र को चाहिए कि वह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों के साथ बैठ कर समाधान निकाले। रोजाना खबरें आ रही हैं कि दिल्ली में संकट बढ़ता जा रहा है। वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली में मिनी लॉकडाउन लगा दिया गया है। दिल्ली सरकार ने सभी प्राथमिक स्कूलों को हवा की गुणवत्ता में सुधार होने तक बंद करने का आदेश दिया है। कक्षा पांच से ऊपर की कक्षाओं के लिए बाहरी गतिविधियों पर रोक लगा दी गयी है। बच्चों को सुबह-सुबह घरों से निकलना पड़ता है। डॉक्टरों का कहना है कि यह हवा बच्चों के लिए बहुत खतरनाक है। कोरोना काल के बाद जैसे-तैसे बच्चों के स्कूल खुले थे और उनकी पढ़ाई नियमित हुई थी। प्रदूषण की सबसे पहली गाज उन पर गिरती हुई नजर आ रही है। लगता है कि बच्चों को एक बार फिर ऑनलाइन पढ़ाई करनी होगी। दिल्ली सरकार के 50 फीसदी कर्मचारियों को भी वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। निजी कार्यालयों से भी इसका पालन करने को

कहा गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वाहनों की सम-विषम व्यवस्था को भी लागू किया जा सकता है। प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में पहले से ही निर्माण कार्यों पर रोक है, लेकिन सड़क निर्माण, फ्लाइओवर, ओवरब्रिज, दिल्ली जल बोर्ड के पाइपलाइन, पावर ट्रांसमिशन के काम पर छूट थी। अब इन्हें भी रोक दिया गया है। दिल्ली में आवश्यक वस्तुओं को छोड़ कर बाकी सभी ट्रकों के परिचालन पर रोक लगा दी गयी है। वायु प्रदूषण को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब के मुख्य सचिव को 10 नवंबर को तलब करते हुए पराली जलाने को रोकने के लिए उठाये गये कदमों पर रिपोर्ट देने को कहा है। दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनवाई को तैयार हो गया है। यह सुनवाई 10 नवंबर को होगी। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ के समक्ष इस मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की गयी थी। दरअसल, देश में प्रदूषण को लेकर सख्त नियम हैं, लेकिन उन्हें लागू करने वाला कोई नहीं है। जनता से जुड़े इस विषय पर विस्तृत विमर्श होना चाहिए, लेकिन ऐसा भी होता नजर नहीं आता है। सोशल मीडिया पर रोजाना कितने घटिया लतीफे चलते हैं, लेकिन पर्यावरण जागरूकता को लेकर संदेशों का आदान-प्रदान नहीं होता है। टीवी चैनलों पर रोज शाम बहस होती है, पर बढ़ते प्रदूषण पर कोई सार्थक चर्चा नहीं होती, जबकि यह मुद्दा हमारे आपके जीवन से जुड़ा हुआ है। प्रदूषण कम करने के लिए सबसे पहले हमें उसकी गंभीरता को समझना होगा। अपने देश में स्वच्छता और प्रदूषण का परिदृश्य वर्षों से निराशाजनक रहा है। इसको लेकर समाज में जैसी चेतना होनी चाहिए, वैसी नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति गंभीर तो है ही, लेकिन बिहार और झारखंड के कई शहरों में भी हालात बहुत बेहतर नहीं हैं। देश के विभिन्न शहरों से अगर व्यवस्था ठान ले, तो परिस्थितियों में सुधार लाया जा सकता है। चीन का उदाहरण हमारे सामने है। वर्ष 2013 में दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहर में चीन के पेइचिंग समेत 14 शहर शामिल थे, लेकिन चीन ने कड़े कदम उठाये और प्रदूषण की समस्या पर काबू पा लिया। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण का संकट लगातार गहराने का असर लोगों की औसत आयु पर पड़ रहा है। कुछ समय पहले अमेरिका की शोध संस्था एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट ने वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें उसने गंगा के मैदानी इलाकों में रह रहे लोगों की औसत आयु लगभग सात वर्ष तक कम होने की आशंका जतायी थी।

जलवायु की बेहतरी पर काम करने का वक्त

शिवकांत

इस वर्ष का जलवायु सम्मेलन मिस्र की सैरगाह शर्म अल-शैख में हो रहा है। साल 1992 के रियो पृथ्वी सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के सहभागी बने लगभग 200 देशों का यह 27वां सम्मेलन है। इसमें अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और इटली समेत लगभग 90 देशों के राष्ट्राध्यक्ष भाग ले रहे हैं। इस वर्ष विकासोन्मुख देशों के लिए विकसित देशों की आर्थिक और तकनीकी मदद का मुद्दा प्रमुख रहने की संभावना है, जिस पर 2009 के सम्मेलन में सहमति हुई थी। विश्वव्यापी आर्थिक मंदी और महंगाई के माहौल में विकसित देशों को 100 अरब डॉलर जुटाना भी भारी पड़ रहा है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने पिछले सप्ताह जारी हुई रिपोर्ट में कहा है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की निरंतर बढ़ती भीषणता का सामना करने के लिए विकासोन्मुख देशों को 2030 तक हर साल 340 अरब डॉलर की जरूरत पड़ने लगेगी। यह आकलन इस वर्ष सोमालिया में पड़े भीषण अकाल, नाइजीरिया और पाकिस्तान में आयी प्रलयकारी बाढ़ और दुनियाभर में भीषण गर्मी व आग जैसी विनाशकारी आपदाओं की बढ़ती तीव्रता के आधार पर किया गया है। इस वर्ष के सम्मेलन के लिए मिस्र को इसीलिए चुना गया है, ताकि जलवायु परिवर्तन की सबसे बुरी मार झेल रहे अफ्रीका और एशिया के गरीब देशों की जरूरतों को रेखांकित किया जा सके। विकसित देशों ने 2015 के पेरिस जलवायु सम्मेलन में वादा किया था कि वे अपने कार्बन उत्सर्जन को तेजी से कम करेंगे, जिससे वायुमंडल का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर न जा सके, लेकिन यूक्रेन पर पुतिन के हमले से पैदा हुए ऊर्जा संकट की वजह से पिछले साल भर में कुछ देशों का कार्बन उत्सर्जन अपेक्षित रफ्तार से नहीं घटा है। यूरोप के देशों को रूस की पाइपलाइन से मिलने वाली प्राकृतिक गैस की सप्लाई बाधित होने से तरलीकृत गैस का आयात करना पड़ रहा है। गैस को तरल बनाने, भरने, और ढोने में बहुत ऊर्जा खर्च होती है। ऐसे में तरलीकृत गैस के प्रयोग से प्राकृतिक गैस की तुलना में दस गुणा उत्सर्जन होता है। ऊर्जा संकट से निपटने के लिए यूरोपीय देशों को कोयले और तेल का प्रयोग भी शुरू करना पड़ रहा है। लड़ाई से भी कार्बन उत्सर्जन हो रहा है। ऊर्जा संकट से महंगाई भी बढ़ी है और अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आयी हैं, जिससे यूरोपीय देश विकासोन्मुख देशों की जलवायु सहायता भी नहीं बढ़ा पा रहे हैं।

पर्यावरणवादियों का कहना है कि विश्व का सबसे विनाशकारी संकट जलवायु परिवर्तन है, इसलिए दूसरे संकटों को इस पर वरीयता नहीं दी जा सकती। विख्यात अर्थशास्त्री जैफरी सैक्स का सुझाव है कि विकासोन्मुख देशों की जलवायु सहायता को स्थायी बनाने के लिए उत्सर्जन के सामाजिक दायित्व के सिद्धांत पर ऊंची और मध्यम आय वाले देशों पर उत्सर्जन शुल्क लगाया जाना चाहिए। ऊंची आय वाले देश अपने उत्सर्जन पर पांच डॉलर प्रति टन का शुल्क भरें और मध्यम आय वाले ढाई डॉलर प्रति टन। इसे हर पांच साल बाद दोगुना किया जाना चाहिए। इस सुझाव को मान लिया जाए, तो जलवायु न्याय के रूप में दी जाने वाली सहायता विकसित देशों की सरकारों की सदेच्छा के भरोसे न रहकर संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय संस्थाओं की देखरेख में चलने वाली वित्तीय व्यवस्था बन सकती है। इस शुल्क का प्रयोग देशों के अलावा ऐसी वस्तुओं पर भी किया जा सकता है, जिनकी खपत कम करना जलवायु के लिए हितकारी समझा जाए। मिसाल के तौर पर, हमारा एक चौथाई से ज्यादा उत्सर्जन खाद्य पदार्थों के उत्पादन से होता है। लेकिन गोमांस के उत्पादन में अनाज से 130 गुणा और भेड़-बकरियों के मांस के उत्पादन में अनाज से 70 गुणा कार्बन उत्सर्जन होता है। इसलिए वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए सबसे पहले हमें अपने खान-पान को बदलना होगा। भोजन में मांस और डेयरी की मात्रा घटा कर शाकाहार बढ़ाना होगा। सरकारें जलवायु रक्षा के लिए बड़े जानवरों के मांस पर शुल्क लगा कर भी शाकाहार को बढ़ावा दे सकती हैं, जैसे जन-स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए तंबाकू और शराब पर शुल्क लगाया जाता है। पुतिन ने जिस तरह प्राकृतिक गैस को यूरोप के खिलाफ हथियार बनाया है, उससे यूरोप ही नहीं, पूरी दुनिया को सबक लेना चाहिए। यूरोपीय देश अब अक्षय ऊर्जा के विकास में जुट गये हैं, जिससे रूस पर निर्भरता खत्म होने के साथ उत्सर्जन भी कम होगा। भारत को भी ऊर्जा की आत्मनिर्भरता पर सोचने की जरूरत है। रूस से रियायती दरों पर मिल रहे तेल के बावजूद भारत का वार्षिक ऊर्जा आयात बिल 5.25 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। तेल निर्यातक देशों के पास जा रही इस बड़ी दौलत को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में लगाया जाए, तो भारत का कायाकल्प हो सकता है। भारत का प्रतिव्यक्ति कार्बन उत्सर्जन यूरोप और अमेरिका की तुलना में बहुत कम है, इसलिए उसे बाहरी दबाव में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की जरूरत नहीं है। परंतु भारतीय शहरों का जलवायु इतना जहरीला हो चुका है कि विज्ञान पत्रिका लांसेट के अनुसार उससे हर साल लगभग 23 लाख लोग मरने लगे हैं, जिनमें बड़ी संख्या बच्चों की है। कोयले और तेल की जगह सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसी अक्षय ऊर्जा का प्रयोग बढ़ा कर प्रदूषण से फैलने वाली बीमारियों पर होने वाले खर्च से भी बचा जा सकता है। इसकी शुरुआत सरकारी उपक्रमों और दफ्तरों, सरकारी वाहनों, नलकूपों, गांव-देहात, आदिवासी और पहाड़ी इलाकों को अक्षय ऊर्जा चालित बना कर की जा सकती है।

सर्दी के मौसम में करें हल्दी का सेवन

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है और इसके साथ ही वह समय भी आ गया है जब पोषण से भरपूर कई तरह के खाने का मजा ले सकते हैं। ठंड के मौसम का मजा ही कुछ और होता है, लेकिन साथ ही जरूरी है कि आप खुद को गर्म रखें और बीमारियों से बचें। इस समय लिए कई तरह की चीजों का सेवन जरूरी भी हो जाता है। आज हम बात करेंगे हल्दी की और सर्दियों में इससे होने वाले फायदों के बारे में। हल्दी लगभग हर तरह के खाने में डाली जा सकती है, जिससे सेहत को बढ़ावा मिलता है। यह इम्यूनिटी को बढ़ावा देता है और इसमें एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। तो आइए जानें सर्दी के मौसम में हल्दी को डाइट में शामिल करने के क्या-क्या फायदे हैं।

दर्द और संक्रमण से दिलाये राहत

हल्दी सर्दी के मौसम में बार-बार होने वाले साइनस की समस्या और इन्फेक्शन से भी राहत दिला सकती है। आप दूध या चाय में हल्की से हल्दी मिला सकते हैं।

त्वचा को भी फायदे पहुंचाती है

इस दौरान कई तरह की गर्म ड्रिंक्स का सेवन भी करते हैं, जो पेट की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। हल्दी स्वाद को बढ़ाने के साथ पाचन में भी मदद करती है। हल्दी युक्त खाद्य पदार्थ खाने से आपके शरीर को प्रदूषकों से छुटकारा पाने में भी मदद मिलती है, जिससे आपकी त्वचा में एक स्वस्थ चमक आती है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करती है

रोज़ाना हल्दी का सेवन ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखता है। हल्दी जैसी एंटीऑक्सीडेंट शरीर की अंदर से मदद करती है।

गर्भवती महिलाओं को दिलाती है आराम

हल्की बीमारी होने पर गर्भवती महिलाएं भी हल्दी दूध का सेवन करना पसंद करती हैं। हल्दी गले की खराश में आराम दिलाती है और बैक्टीरियल संक्रमण से भी छुटकारा दिलाती है।

फ्लू से राहत मिलती है

सर्दी के मौसम के साथ फ्लू का मौसम भी शुरू होता है। भारत में ज़्यादातर घरों में हल्दी वाला दूध इलाज के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसे पीने से आपके श्वसन तंत्र को मदद मिलती है और यह आपके शरीर को गर्म भी रखता है।

नैचुरल एंटीऑक्सीडेंट

हज़ारों सालों से आयुर्वेद और भारतीय खाने में हल्दी का उपयोग होता आया है। हल्दी में चमत्कारी उपचार के गुण होते हैं, जो सर्दियों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालने का काम करती है।

सूजन

हल्दी का सबसे आम उपयोग सूजन को कम करने के लिए किया जाता है। हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन इसमें मददगार साबित होता है।

गले की खराश और खांसी

हल्दी खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ एक शक्तिशाली उपचारक भी है। आमतौर पर फूड्स में कई तरह के कैमिकल्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर्ज डाले जाते हैं, इसलिए खाने में हल्दी ज़रूर डालें। इसके अलावा यह गले की खराश और खांसी में भी आराम पहुंचाती है।

कहानी — गलत सलाहकार

जरूरी नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति सही फैसला करे आईये इस कहानी के माध्यम से इस बात को समझते है। एक आदमी सड़क के किनारे समोसा बेचा करता था। अनपढ़ होने की वजह से वह अखबार नहीं पढ़ता था। ऊँचा सुनने की वजह से रेडियो नहीं सुनता था और आँखे कमजोर होने की वजह से उसने कभी टेलीविजन भी नहीं देखा था। इसके बाबजूद वह काफी समोसे बेच लेता था उसकी बिक्री और नफे में लगातार बढ़ोतरी होती गई। उसने और ज्यादा आलू खरीदना शुरू किया, साथ ही पहले वाले चूल्हे से बड़ा और बढ़िया चूल्हा खरीद कर ले आया। उसका व्यापार लगातार बढ़ रहा था, तभी हाल ही में कॉलेज से बी. ए. की डिग्री हासिल कर चुका उसका बेटा पिता का हाथ बँटाने के लिए चला आया। उसके बाद एक अजीबोगरीब घटना घटी। बेटे ने उस आदमी से पूछा, पिताजी क्या आपको मालूम है कि हमलोग एक बड़ी मंदी का शिकार बनने वाले हैं? पिता ने जवाब दिया, नहीं, लेकिन मुझे उसके बारे में बताओ। बेटे ने कहा-अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियां बड़ी गंभीर हैं। घरेलू हालात तो और भी बुरे हैं। हमे आने वाले बुरे हालत का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उस आदमी ने सोचा कि बेटा कॉलेज जा चुका है, अखबार पड़ता है, और रेडियो सुनता है, इसलिए उसकी राय को हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। दूसरे दिन से उसने आलू की खरीद कम कर दी और अपना साइन बोर्ड नीचे उतार दिया। उसका जोश खत्म हो चुका था। जल्दी ही उसी दुकान पर आने वालों की तादाद घटने लगी और उसकी बिक्री तेजी से गिरने लगी। पिता ने बेटे से कहा, तुम सही कह रहे थे। हमलोग मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। मुझे खुशी है कि तुमने वक्त से पहले ही सचेत कर दिया।

सीख: इस कहानी से हमे ये सीख मिलती है कि अपने सलाहकार सावधानी से चुनिए, लेकिन अमल अपने ही फैसला पर करिए।

हंसना मना है

एक मच्छर परेशांन बैठा था दूसरे ने पूछा: भाई क्या हुआ तुझे? पहला बोला: यार गजब हो रहा है चूहेदानी में चूहा, साबुदानी में साबुन मगर मच्छरदानी में आदमी सो रहा है

टीचर पप्पू से: तुम्हारे पिताजी क्या करते हैं? पप्पू: जी वो गालियां खाने का काम करते हैटीचर: क्या मतलब? पप्पू: जी वो Customer Care Executive हैं पप्पू: पापा मुझे DJ खरीदकर दो।

पापा: नहीं दूंगा तू लोगो को तंग करेगा। पप्पू : नहीं पापा, मैं किसी को तंग नही करूँगा जब सब सो जायेंगे तभी बजाया करूँगा।

संता: कल रात पता नहीं हमारे पडोसी को क्या हुआ, आधी रात को आकर हमारा दरवाजा पीटने लगा। बंता। अच्छा फिर आपने क्या किया ? संता: मैंने क्या करना था, मैं भी मस्ती से तबला बजाता रहा।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मनोरंजन और ऐशोआराम के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। कोई ऐसा इंसान जिसके मन में आपके लिए गलत भावना थी आज मामला निबटाने और आपसे सुलह करने के लिए पहल करेगा।

तुला

सेहत बढ़िया रहेगी। हालांकि धन आपकी मुट्ठियों से सरक जाएगा, लेकिन तंगी नहीं आयेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है।

वृषभ

आज आपका दिन भाग-दौड़ से भरा रहेगा। किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आज आप घरेलू कामों में व्यस्त रहेंगे। आपको कोई शुभ समाचार मिलेगा।

वृश्चिक

आज आपका ज्यादातर समय माता-पिता के साथ बीतेगा। भौतिक सुख-संसाधनों में बढ़ोतरी होगी। बच्चों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे।

मिथुन

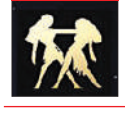

सूर्यदेव की कृपा से आज आपके जीवन की सभी विनाशकारी शक्तियां दूर भाग जाएंगी और आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां होंगी। झूठ बोलने वालों से सावधान रहें।

धनु

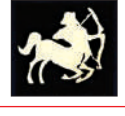

आज हर ओर से आपको खुशियों की प्राप्ति होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर नहीं रखने से नुकसान की उम्मीद है। व्यापारिक नवीन योजनाओं से लाभ होगा।

कर्क

आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है- ऐसे लोगों से न कहने के लिए तैयार रहें, जो आपसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

मकर

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा।

सिंह

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में योग्यता साबित करने के लिए आपको थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कुम्भ

आज आपका दिन घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। लवमेट के साथ संबंध मधुर होंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक से कोई बड़ा फायदा होगा।

कन्या

आज परिवार में लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। बाहर के खान-पान से बचें। बौद्धिक चर्चा तथा बातचीत में भाग न लें, सफलता मिलेगी।

मीन

आज आपको अपने जीवन में खुशियों का नजारा देखने को मिलने वाला है। बिजनेस में फायदे की योग बने रहेंगे। और भूमि खरीदने के योग बन रहे है।

टॉलीवुड | मन की बात

हमेशा से फाइटर हूं मैं लड़ने जा रही हूं : सामंथा

मायोजिटिस नामक ऑटो-इम्यून बीमारी के लिए इलाज करवा रही दक्षिणी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सामंथा का कहना है वह हमेशा से एक फाइटर रही हैं और इससे भी लड़ लेगी। अभिनेत्री, जिन्होंने अपनी आगामी फिल्म यशोदा के प्रचार के लिए अपने इलाज के लिए एक दिन की छुट्टी लेने का फैसला किया, ने अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में बात की। यशोदा 11 नवंबर को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने कहा, कुछ अच्छे दिन होते हैं, कुछ बुरे। कुछ दिन, बिस्तर से उठना मुश्किल होता है, कुछ दिन मैं लड़ना चाहती हूं। धीरे-धीरे मैं जिन दिनों से लड़ना चाहती हूं, उन दिनों की तुलना में अधिक से अधिक देना चाहती हूं। मीडिया के उस हिस्से की खबरों को उन्होंने खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि यह स्थिति जीवन के लिए खतरा है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, अब तीन महीने हो गए हैं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं जल्द ही नहीं मर रही हूं। मैंने बहुत सारे लेख देखे जिनमें ऐसा बैसा बहुत कुछ कहा गया था। हां, यह एक ऑटोइम्यून स्थिति है और इसमें समय लग रहा है लेकिन मैं हमेशा एक लड़ाकू रही हूं और मैं लड़ने जा रही हूं। यह बताते हुए कि पिछले तीन महीने बहुत खराब रहे हैं, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उच्च खुराक वाली दवाएं ले रही हैं और डॉक्टरों के साथ संपर्क में लगातार बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आगे अपनी बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मैंने जीवन में हर चीज के बारे में बात की है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, लोगों को पता होना चाहिए कि हर किसी का समय अच्छा होता है और हर किसी का बुरा समय होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अमीर हैं या प्रसिद्ध। हर कोई इसे जानता है।

द क्रू के साथ कॉमेडी की उड़ान भरेंगी तब्बू, करीना, कृति सेनन

ऐसा हो रहा है! तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। बेहतर क्या है? कहानी। फिल्म, जिसका शीर्षक द क्रू है और जो एक हास्य फिल्म होने का वादा करती है, संघर्षरत एयरलाइन उद्योग की बैकग्राउंड के खिलाफ है। यह तीन महिलाओं की कहानी बताती है, जो काम करती हैं और जीवन के साथ आगे बढ़ने के लिए जद्दोजहद करती हैं।

फिल्म के लिए, करीना एक बार फिर रिया कपूर और एकता कपूर के साथ काम करेंगी, उनके आखिरी टमटम - वीरे दी वेडिंग के बाद। घोषणा के अवसर पर टिप्पणी करते हुए, करीना ने कहा, वीरे दी वेडिंग मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है। रिया और एकता के साथ काम करना एक अविश्वसनीय यात्रा थी। इसलिए जब रिया अपने नए प्रोजेक्ट द क्रू के साथ मेरे पास आई। काफी उत्सुक थी। इसका मतलब यह भी है कि मुझे दो तारकीय अभिनेत्रियों, तब्बू और कृति के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का मौका मिलता है। मैं इस परियोजना को शुरू करने के लिए उत्सुक हूं और इस ट्राइफेक्टा को तह में लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। जैसा कि फिल्म में तीन महिलाएं आगे बढ़ने की कोशिश करती हैं, उनकी नियति कुछ अनुचित स्थितियों की ओर ले जाती है जिससे वे झूठ के जाल में फंस जाती हैं। कृति सैनन, जो अब अपनी आगामी फिल्म भेड़िया के प्रचार में व्यस्त हैं, मैं प्रतिभा के दो पावरहाउस तब्बू-करीना के साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं। त्रुटियों और हादसों की चुभने वाली कॉमेडी मानी जाने वाली द क्रू का निर्माण एकता आर कपूर और रिया कपूर कर रही हैं।

बॉलीवुड | गपशप

विवादों में घिरा द केरल स्टोरी का टीजर

बॉलीवुड | मसाला

अदा खान इन दिनों अपनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि टीजर रिलीज होते ही विवादों में घिर गया है। दरअसल, मेकर्स पर केरल को बदनाम करने का आरोप लगा है।

इसी बीच खबर आ रही है कि केरल के डीजीपी ने तिरुवनंतपुरम के पुलिस आयुक्त को इस फिल्म के टीजर पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। सीएम को भेजी गई शिकायत के मद्देनजर यह आदेश दिया गया है। मामले में केरल पुलिस का कहना है कि हाई टेक क्राइम इंक्वायरी सेल ने प्रारंभिक जांच की, जिसकी रिपोर्ट डीजीपी को भेजी गई। गुरुवार को जारी किए गए टीजर में एक्ट्रेस अदा शर्मा को बुर्का पहने हुए देखा जा रहा है। यहां वह अपने किरदार की दर्दभरी कहानी सुनाती दिख रही हैं। इसमें वह अपने चेहरे से नकाब उतारते हुए बताती हैं, मेरा नाम शालिनी उन्नीकृष्णन था। मैं नर्स बनकर लोगों को सर्व करना चाहती थीं। टीजर में अदा आगे बताती हैं, अब मैं फातिमा बा हूं। अफगानिस्तान में एक ब्लास्ट-आतंकवाद और मैं अकेली नहीं हूं। मेरी जैसी 32 हजार लड़कियां कन्वर्ट होकर सीरिया और यमन के रेगिस्तान में दफन हो चुकी हैं। एक नॉर्मल लड़की को डेंजरस टेररिस्ट बनाने का खतरनाक खेल चल रहा है केरल में और वो भी खुलेआम। टीजर को देखने के बाद एक बात तो साफ है कि इस कहानी में महिलाओं के साथ हो रहे गलत काम को दिखाया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, विपुल शाह ने दावा किया है कि सच्ची घटना पर आधारित उनकी इस फिल्म की कहानी लोगों को झकझोर कर रख देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2009 में मिडिल ईस्ट 32,000 हिंदू और ईसाई लड़कियों का अपहरण कर उनका धर्मांतरण कर दिया गया था।

ये है दुनिया का सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाला शख्स

रक्तदान महादान ये स्लोगन तो आपने कई बार देखा और सुना होगा, यानी रक्त का दान करना महादान के बराबर है। जिससे हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। लेकिन अगर कोई कहे कि एक शख्स कितनी बार या कितने लोगों को खून दे सकता है तो आप कहेंगे कि 10-20 या 40-50 लोगों को। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने 100-200 नहीं बल्कि 24 लाख से ज्यादा बच्चों को रक्त देकर उन्हें जीवनदान दिया है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जेम्स हैरीसन के बारे में। जिनके नाम 24 लाख बच्चों को जीवनदान देना का रिकॉर्ड है। बता दें कि 81 साल के जेम्स हैरीसन ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने जीवन में अब तक करीब 24 लाख बच्चों को खून देकर नई जिंदगी दी है। यही वजह है कि हैरीसन को ऑस्ट्रेलिया ही नहीं बल्कि दुनियाभर के तमाम डॉक्टर भगवान के रूप में देखते हैं। बता दें कि हैरीसन ने अपने जीवन में करीब 1200 बार रक्तदान किया है, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इसके लिए जेम्स हैरीसन का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। दरअसल, जेम्स हैरीसन के खून में एक ऐसी खासियत है जो हर साधारण इंसान के खून में नहीं पाई जाती। बताया जाता है कि उनके खून में एक तरह की एंटीबॉडी मौजूद है। जिसे मेडिकल की भाषा में एंटी-डी कहा जाता है। बता दें कि एंटी-डी की सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये मां के गर्भ में पल रहे बच्चों को ब्रेन डैमेज और एच डी एन की हिमोलिटिक नाम की बीमारी से लड़ने की ताकत देती है। सबसे कमाल की बात यह है कि पिछले 60 सालों में लाखों बच्चे जो किसी न किसी बीमारी की वजह से गर्भ में ही दम तोड़ देते हैं, उन्हें हैरीसन के खून की वजह से बिलकुल स्वस्थ जीवन मिला है। बता दें कि जेम्स हैरीसन ने पिछले 60 सालों में 1173 बार रक्तदान किया है। उन्होंने पहली बार रक्तदान साल 1954 में किया था। उसके बाद उन्होंने लगातार रक्तदान करना शुरु कर दिया। हैरीसन अब भी अपने अद्भुत खून का इस्तेमाल बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें 7 जून 1999 को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया के पदक से सम्मानित किया गया।

अजब-गजब | राजा भोज के समय से चली आ रही है परंपरा

इस मंदिर में रुकने से घबराते हैं बड़े नेता और मंत्री

हमारे देश में हजारों मंदिर हैं इनमें से कुछ मंदिर बेहद रहस्यमयी हैं। इनके बारे में आजतक खुलासा नहीं हो पाया। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें कोई बड़ा नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति रुकने से डरते हैं। इसकी क्या वजह है ये जानकर भी आप हैरान रह जाएंगे। दरअसल, हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालश्वर मंदिर के बारे में।

इस मंदिर में रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और बाबा महाकाल के दर्शन करते हैं। उसके बाद शहर में ही रुकते हैं जिसे वह किसी वरदान के पूरा होने जैसा ही समझते हैं। देश के तमाम बड़े नेता मंत्री, विधायक, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक इस मंदिर में माथा टेकते है। लेकिन ये नेता दर्शन करने के बाद यहां रात में नहीं रूकते। क्योंकि इसके पीछे की एक बड़ी वजह हैं।

बताया जाता है कि महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन करने के बाद कोई भी बड़ा नेता या मंत्री उज्जैन में नहीं रूकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर उन्हें रुकना भी होता है तो वह उज्जैन के बाहर किसी होटल या फिर कहीं और रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो भी नेता या मंत्री यहां पर रात में विश्राम करता है उसकी सत्ता चली जाती है। इसी डर के चलते उज्जैन में कोई भी मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति तक रुकने से कतराते हैं ऐसी मान्यता है कि जो भी मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या फिर राष्ट्रपति महाकाल बाबा के दर्शन करने के बाद यहां रात गुजारता है उसकी कुर्सी चली जाती है और वह सत्ता में वापसी नहीं कर पाता। कहा ये भी जाता है कि बाबा महाकाल खुद उज्जैन नगरी के राजा है और ऐसे में उनके दरबार में कोई दूसरा राजा नहीं रूक सकता है। अगर कोई गलती से रुक भी जाता है तो वो अपनी सत्ता में वापस नहीं जा पता हैं। कहा जाता है कि यह मान्यता राजा भोज के समय से चली आ रही है। ऐसा कहा जाता है कि महाकाल बाबा के दर्शन के बाद किसी नेता को यहां नहीं रुकना चाहिए। अगर कोई नेता रूकता है तो उसकी कुर्सी छिन जाती है। माना जाता है कि इसका खामियाजा देश के प्रधानमंत्री भुगत चुके हैं। दरअसल, भारत के चौथे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने यह गलती की थी। वह उज्जैन में बाबा के दर्शन के लिए आए थे। उसके बाद वह रात में यहां रुक गए। जिसके बाद दूसरे हु दिन उनकी सत्ता चली गई थी। यही नहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने भी उज्जैन में रात बिताई थी। उसके बाद उन्हें 20 दिनों के अंदर अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

बिहार: कर्ज से परेशान परिवार के सभी सदस्यों ने खाया जहर, पांच की मौत

» एक की हालत गंभीर, पटना रेफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवादा। बिहार के नवादा जिला मुख्यालय स्थित न्यू एरिया गढ़ पर मोहल्ले के एक परिवार के पांच लोगों की मौत जहर खाने से हो गई। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के मूल कारणों में बताया जा रहा है कि यह परिवार कर्ज से दबा हुआ था। कर्ज वापस करने का काफी दवाब था। इस कारण परिवार में काफी तनाव की स्थिति थी। इन सबसे तंग आकर आदर्श सोसाइटी के पास जाकर परिवार के छह सदस्यों ने जहर खा लिया, जिनमें पांच की मौत हो गई। जहर खाने वालों में गृहस्वामी केदार लाल गुप्ता, उनकी पत्नी, 20 वर्षीय गुड़िया कुमारी, 19 वर्षीय शबनम कुमारी, 18 वर्षीय साक्षी कुमारी और 17 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार

शामिल थे। उनमें से केवल साक्षी जीवित है। जिसको गंभीर हालत में पटना रेफर किया गया है।

बताया जाता है कि परिवार मूलत: रजौली का रहने वाला है। केदारनाथ गुप्ता के मकान में नवादा में किराए के मकान में रहते थे। यहीं रहकर रहकर फल बेचने का व्यापार करते थे। उन्होंने किसी से कर्ज लिया था। उसी कर्ज को चुकाने को लेकर लगातार बनते दबाव की वजह से परिवार काफी परेशान था। कर्ज चुकाने का कोई रास्ता नहीं दिखा तो परिवार के सारे सदस्यों ने जहर खा लिया। बताया यह भी जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्यों ने किराए के मकान से दूर आदर्श सोसायटी के समीप मजार के पास जाकर जहर खाया। जहर खाने के तुरंत बाद मौके पर ही दो की मौत हो गई। जबकि, तीन ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा था परिवार

मृतकों में गृहस्वामी, उनकी पत्नी, दो बेटी और एक बेटा शामिल है। केदार लाल गुप्ता ने अपनी पत्नी और चार बच्चे समेत एक मजार के पास जाकर जहर खा लिया। पीड़ित केदार लाल गुप्ता अपने परिवार के साथ न्यू एरिया गढ़ पर मोहल्ले के पास पिछले कई वर्षों से किराए पर रहते थे। इनका पैतृक गांव रजौली थाना क्षेत्र का अम्बा बताया जाता है। नवादा में किराए के मकान में रह कर शहर में फल की दुकान चला कर जीवनयापन करते थे।

भूकंप के तेज झटकों से हिली अरुणाचल की धरती

» पहला भूकंप सुबह करीब 10.31 बजे जबकि दूसरा 10.59 मिनट पर आया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/ईटानगर। अंडमान के बाद अरुणाचल प्रदेश की धरती गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटकों से हिल गई। अरुणाचल में में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार पहला भूकंप सुबह करीब 10.31 बजे 5.7 तीव्रता का आया। भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग में रहा। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी।

वहीं, राज्य में दूसरा भूकंप 10.59 मिनट पर आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र भी राज्य का पश्चिम सियांग रहा है। इसके पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। द्वीप के पोर्टब्लेयर से 253 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 10 नवंबर की सुबह लगभग 2.29 बजे भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटरी नीचे थी। अभी पिछले दिनों ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में भूकंप के झटके आए थे। दिल्ली में मंगलवार देर रात भूकंप आया था। भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई थी।

बेअदबी के आरोपी डेरा प्रेमी की हत्या गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ली जिम्मेदारी

» दो अन्य भी हमले में घायल, अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदकोट। पंजाब में कानून-व्यवस्था की हालत लगातार बदतर होती जा रही है। बरगाड़ी बेअदबी मामले में आरोपित डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की गुरुवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ली है।

कुल 6 हमलावर 3 मोटरसाइकिलों पर आए और ताबड़तोड़ गोलियां चलाई, जिसमें डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की मौत हो गई। पूर्व पार्षद अमर सिंह व गनमैन हाकम सिंह को भी गोलियां लगी। उन्हें घायलावस्था में गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कालेज में दाखिल करवाया गया है। अमर सिंह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि मृतक प्रदीप सिंह को मिले दूसरे गनमैन जगदीश सिंह के बाथरूम गए होने के कारण वहां उपस्थित नहीं था। इसके कारण वह बच गया। वारदात के बाद पुलिस और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि सुबह जब प्रदीप सिंह अपनी दुकान खोलने

जा रहा था तो दो बाइकों पर सवार कुछ लोगों द्वारा फायरिंग कर दी गई। घटना के बाद लुधियाना सहित कई जिलों में पुलिस ने हिंदू नेताओं की सुरक्षा भी बढ़ा दी है।

फरीदकोट जिले में हत्या की धमकी मिलने के बाद 9 डेरा प्रेमियों की सुरक्षा में 27 पुलिस मुलाजिम मुहैया करवाए गए हैं। बेदअदबी कांड में आरोपित बताए जा रहे अब तक 3 डेरा प्रेमियों की हत्या हो चुकी है, इसमें एक कोटकपूरा निवासी डेरा प्रेमी महेंदरपाल बिट्टू की नाभा जेल में हत्या की जा चुकी है, जबकि गुरदेव लाल निवासी बुर्ज जवाहर सिंह वाला को भी अज्ञात व्यक्तियों ने गोलियां मारकर कत्ल कर दिया था। वहीं, 10 नवंबर 2022 को डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या कर दी गई।

कोहरे का कहर शुरू, ट्रक की टक्कर से स्कूल बस के उड़े परखच्चे

» हादसे में चालक-परिचालक गंभीर रूप से घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शामली। पानीपत-खटीमा हाईवे पर फतेहपुर गांव के सामने गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण ट्रक की टक्कर से स्कूल बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बस के चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि हादसे के वक्त स्कूल बस में बच्चे नहीं थे।

संस्कृति इंटरनेशनल स्कूल की बस के चालक और परिचालक बृहस्पतिवार सुबह बच्चों और स्टाफ को ले जाने के लिए फतेहपुर गांव से निकले थे। फतेहपुर लिंक मार्ग से हाईवे पर चढ़ते ही शामली की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए और चालक-परिचालक गंभीर घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने चालक-परिचालक को अस्पताल में भर्ती

कराया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक अपने कब्जे में ले लिया है।

स्कूल बस और ट्रक की भिड़ंत की सूचना पर मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। बस की हालत देखकर सभी का कहना था कि यदि इसमें बच्चे सवार होते तो भयावह हादसा हो सकता था।

ललितपुर में बेकाबू कार की टक्कर से दो लोगों की मौत

ललितपुर के तालबेहट कोतवाली क्षेत्र के बम्होरी सर में अनियंत्रित कार ने दो लोगों को कुचल दिया। घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे बम्होरी से गुजर रही कार ने पहले एक बाइक चालक को टक्कर मारी जिससे बाइक चालक कुलदीप (20) की मौके पर मौत हो गई। इसी दौरान इस मार्ग पर पैदल जा रहे गोविंद रैकवार (30) को कर ने कुचल दिया। दोनों घटनाओं से अनियंत्रित हुई कार कुछ आगे जाकर पेड़ से टकरा गई। ग्रामीणों ने गाड़ी को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस से कार्रवाई की मांग कर ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

डेंगू का बदला हुआ रूप बना खतरा

नौ हजार से ज्यादा मामले, स्वस्थ होने के बाद भी कम हो रही है प्लेटलेट्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ कोरोना वायरस की तरह इस बार भी डेंगू का बदला हुआ रूप मरीजों के लिए खतरा बनता जा रहा है। कानपुर, मेरठ, अलीगढ़, बरेली, लखनऊ, फतेहपुर, कन्नौज, उन्नाव, बाराबंकी, गोरखपुर आदि जिलों में रोज डेंगू के मरीज सामने आ रहे हैं। डेंगू का ये नया वेरिएंट मरीज पर धोखे से हमला कर रहा है। ठीक होने के बाद अचानक मरीज के प्लेटलेट्स कम हो रहे हैं। डाक्टरों का कहना है कि ऐसे लक्षण कई मरीजों में देखे गए हैं। रोगी को पहले दो दिनों तक बुखार रहता है। तीसरे दिन बुखार उतर जाता है। रोगी स्वयं को स्वस्थ समझता है। इसके बाद अचानक मरीज के प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं।

मरीज के किडनी लिवर को भी डेंगू डेमेज कर रहा है। डेंगू के मामलों में

प्लेटलेट्स की कमी के साथ-साथ बढ़ते सामान्य बुखार को देखते हुए ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की मांग इन दिनों तेजी से बढ़ रही है। नए संस्करण को लेकर लोगों में कुछ भ्रांतियां भी हैं, लेकिन चिकित्सकों का सुझाव है कि केवल डॉक्टर ही प्लेटलेट्स की आवश्यकता और किस स्तर की पहचान कर सकते हैं। यूपी में जनवरी 2022 से लेकर अभी तक डेंगू के कुल साढ़े नौ हजार रोगी मिल चुके हैं। मरीजों की मदद के लिए स्वास्थ्य महानिदेशालय में राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम तैयार कर लिया गया है। कंट्रोल रूम के दो हेल्पलाइन नंबर 18001805145 और 104 के माध्यम से मरीजों की मदद की जा रही है।

डिप्टी सीएम ने कहा चाक-चौबंद रखें अस्पतालों की व्यवस्था

सभी जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारियों (सीएमओ) और अस्पतालों के मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों (सीएमएस) को निर्देश दिए गए हैं कि दवा, बेड और डेंगू की जांच की पुख्ता व्यवस्था की जाए। अगर मरीजों की कंट्रोल रूम के माध्यम से शिकायत मिली तो जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अस्पतालों में डाक्टर व कर्मियों की टीमें गठित कर उपचार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी क्षेत्र में डेंगू का एक मरीज मिलने पर आसपास के क्षेत्र के 60 घरों की स्क्रीनिंग करने के निर्देश पहले दिए गए थे और इसे और बढ़ाने को कहा गया है। विभिन्न क्षेत्रों में टीमें भेजकर घर-घर स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर से अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कंट्रोल रूम चौबीस घंटे चालू रहे और मरीजों की समस्या का समाधान किया जाए। प्रदेश भर के सभी मेडिकल कालेजों व अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाया गया है।

24 ग्राम पंचायतों में 31 लाख रुपए के गलत तरीके से भुगतान में फंसे ग्राम सचिव, कार्रवाई के आदेश

शासन के पत्र पर भारी पड़ रहे डीएम व डीपीआरओ

» सीएम योगी के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर खड़े हो रहे सवालिया निशान

ज्ञानेन्द्र तिवारी

सुल्तानपुर। प्रदेश की योगी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर दूसरी बार यूपी की सत्ता में आई है। भाजपा का नारा है, ना खाएंगे ना खाने देंगे। लेकिन इन नारों की हवा निकली है पूर्व केन्द्रीय मंत्री व वर्तमान सांसद मेनका गांधी के संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर में।

जहां जिले के आठ ब्लॉकों के दो दर्जन ग्राम पंचायतों में 31 लाख रुपए सरकारी धन के बंदरबांट की पुष्टि शासन स्तर पर हुई है, जिसका पत्र निदेशक पंचायती राज उत्तर प्रदेश ने जारी करते हुए जिलाधिकारी सुल्तानपुर व जिला पंचायत राज अधिकारी को सम्बंधित ग्राम सचिवों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए 3 दिन में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश 30 सितम्बर 2022 को जारी किए गए थे। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय जिला प्रशासन सूबे के मुख्यमंत्री और स्थानीय सांसद की भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था की मंशा पर पानी फेर रहे है।

सितंबर माह में जारी हुई थी ये गाइडलाइन

दरअसल सितंबर माह में योगी सरकार ने पंचायती राज विभाग के लिए एक गाइडलाइन बनायी थी। शासन ने विभाग को निर्देशित किया था कि ग्राम सचिवालयों में पंचायत गेट-वे पोर्टल इंस्टॉल कराकर ई-ग्राम स्वराज से सम्बंधित समस्त कार्य ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर से सम्पादित हो। इसकी समीक्षा शासन स्तर पर चल रही थी और जिला स्तर पर इसकी किसी को कानों-कान खबर नहीं थी, शासन के उच्च अधिकारियों ने जब पोर्टल की समीक्षा कराई तो जिले की 24 ग्राम पंचायतों द्वारा ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर सिस्टम से भुगतान न करते हुए अन्य कहीं से भुगतान की प्रक्रिया की गयी थी। जांच में ये तथ्य सामने आने पर निदेशक पंचायती राज ने डीएम, जिला पंचायत राज अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को पत्र लिखते पर कठोर कार्यवाही के निर्देश जारी करते हुए तीन दिवस में आख्या तलब की थी ।

इन आठ ब्लॉकों में हुआ है गोलमाल

इन आठ ब्लाकों की 24 ग्राम पंचायतों में कायदे कानून को दरकिनार करते हुए 31,17,729 रूपये का भुगतान नियम विरूद्ध ढंग से किया गया। इन आठ ब्लाकों में जयसिंहपुर ब्लॉक की 8, भदैंया ब्लॉक की 6, दोस्तपुर ब्लॉक की 3, कुड़वार व बल्दीराय ब्लॉक की 2-2 और धनपतगंज-दूबेपुर व कूरेभार की 1-1 ग्राम पंचायतें सम्मिलित हैं। इन सभी ग्राम पंचायतों के सचिव एवं सम्बंधित डीपीएम के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए डीपीआरओ से तीन दिनों में आख्या मांगी गई थी लेकिन महीनों बीतने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

निर्माणाधीन मकान में सर कटी लाश मिलने से मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। झांसी के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक निर्माणाधीन मकान में सुबह-सुबह एक युवक की सरकटी लाश मिलने से इलाके में हड़कम्प मच गया। जानकारी के मुताबिक झांसी शहर कोतवाली के उन्नाव गेट क्षेत्र में चूड़ी विक्रेता की गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्या की खबर से इलाके में सनसनी फैल गयी। मृतक अमित गुप्ता की लाश उसके निर्माणाधीन मकान में मिली। सूचना मिलते ही डीआईजी रेंज जोगेंद्र कुमार व एसएसपी राजेश एस मौके पर पहुँचे और घटनास्थल का मुआयना कर घटना के कारणों का पता लगाने के निर्देश दिए। मृतक के परिजनों ने बताया उनके परिवार की किसी से रंजिश नहीं है।

उन्नावगेट बाहर निवासी अमित गुप्ता (38)मानिक चौक बाजार में चूड़ियों का ठेला लगाता था। घर से कुछ दूरी पर उसका मकान बन रहा है। रात को अमित मकान में जाने की बात कहकर गया था और फिर वापस नहीं लौटा। सुबह उसका भाई जब निर्माणाधीन मकान में पहुँचा तो वहां अमित की खून से लथपथ लाश पड़ी मिली। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गयी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल का एसपी सिटी राधेश्याम राय, सीओ सिटी राजेश राय, इंस्पेक्टर सीपरी बाजार जेपी पाल, इंस्पेक्टर कोतवाली तुलसीराम पाण्डेय, एसओजी टीम ने बारीकी से निरीक्षण किया।

एसएसपी ने तीन टीमें गठित की

घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद एसएसपी राजेश एस. ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए हैं। कुछ अहम सुराग मिले हैं, जल्द हत्याकांड के खुलासे की उम्मीद है।

बालू खनन का विरोध करने पर महिलाओं को पीटा व कपड़े फाड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। नारायणी खेत से जबरन बालू निकाले जाने का विरोध करने पर किसान परिवार की 4 महिला सदस्यों को बालू ठेकेदारों ने पीटकर घायल कर दिया। उनके साथ बदसलूकी भी की। पीड़ित परिवार कोतवाली के बाहर रिपोर्ट दर्ज कराने के इंतजार में बैठा रहा लेकिन आरोपियों पर कार्यवाही नहीं की गई। कोतवाली क्षेत्र के लहू रेटा गांव की नाजरीन पुत्री रमजान बैग ने बताया कि वह अपनी बहन नसरीन के साथ खेत में पानी लगाने गई थी। वहां चार पोकलैंड मशीनों से गांव के लोग उसके खेत से बालू निकाल रहे थे। विरोध करने पर बालू ठेकेदारों और उनके गुर्गों ने मारपीट कर बदसलूकी करते हुए कपड़े फाड़ दिए। बचाने दौड़े परिवार के अन्य सदस्यों परवीन व शहनाज को भी पीटा।

इंस्पेक्टर मनोज शुक्ला ने बताया कि लेखपाल द्वारा नापी गई भूमि पर ही बालू पट्टा धारक खनन कर रहे हैं। महिलाओं की शिकायत पर पुलिस भेजकर मामले की जांच कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कोई कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने मामले की जानकारी में यह भी कहा है कि तत्काल प्रभाव से ठेकेदार विजय कुमार की खदान में काम बंद करा दिया गया है। राजस्व व खनिज विभाग के अधिकारियों को लेकर एक टीम बनाई गई है। पुलिस की मौजूदगी में टीम खनन स्थल की पैमाइश करेगी।

दाखिला घोटाले में फंसा एससीपीएम कॉलेज, होगी सीबीआई जांच

» आयुष दाखिला घोटाले में जिले का एससीपीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज भी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। आयुष दाखिला घोटाले में जिले का एससीपीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज भी फंस गया है। शासन स्तर पर हुई जांच में दो संदिग्ध दाखिले सामने आये है। मुख्यमंत्री की ओर से सीबीआई जांच के लिए दिए आदेश में एससीपीएम कालेज भी शामिल है। अब पूरे मामले की जांच सीबीआई करेगी। साल 2021 में बीएएमएस की सौ सीटों पर कालेज ने दाखिला लिया था। जिसमें नीट की परीक्षा में शामिल छात्रों का प्रवेश ही होना चाहिए था।

शासन स्तर की जांच में दो छात्रों का प्रवेश संदिग्ध मिला है। जिसके बारे में कालेज को नोटिस भी दी गई थी। इसी बीच मुख्यमंत्री ने मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द कर दिया है। अब जिले के कालेज की भी सीबीआई जांच होगी। फिलहाल कालेज के निदेशक अजिताभ दुबे का कहना है कि उन्होंने नोटिस मिलने पर दोनों छात्रों का सत्यापन कराया है, कोई गड़बड़ी नहीं है। सीबीआई जांच पर कहा कि जांच में सहयोग किया जाएगा।

घूसखोर नर्स को बचाने में जुटे सीएमओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन क्षेत्र के उप स्वास्थ केंद्र नंसा बाजार पर प्रसव कराने के नाम पर केंद्र पर लगातार गरीब महिलाओ से की जा रही अवैध धन उगाही व प्रदेश सरकार द्वारा मरीजो को बाहर की दवा न लिखने की सख्त मनाही के बाद भी भ्रष्टाचार का यह सिलसिला रुकने का नाम नही ले रहा है। समाजसेवी सत्यप्रकाश मिश्र द्वारा गुरुवार को मंडलायुक्त नवदीप रिणवा को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि उप स्वास्थ्य केंद्र नंसा बाजार में तैनात एएनएम निशा दुबे द्वारा प्रसव कराने आने वाली महिलाओं से खुलेआम एक हजार से लेकर 3 हजार रुपए तक कि अवैध धन उगाही की जा रही है। जिसकी शिकायत महिलाओ द्वारा सीएमओ से लिखित रुप से की जा चुकी है। पनिहारिन पत्नी संतराम की शिकायत के बाद सीएमओ द्वारा एक तीन सदस्यीय जांच कमेटी का भी गठन किया गया। जांच कमेटी की जांच के दौरान पीड़ित महिला ने अपना बयान भी दिया लेकिन जांच के 20 दिन बीत जाने के बाद भी आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

नेपालगंज में संपन्न हुई दोनों देशों के समन्वय समिति की बैठक

» नेपाल में चुनाव को लेकर तय की गई रणनीति

» 17 से 20 नवंबर की मध्यरात्रि तक बंद रहेगा सीमा पर आवागमन

अशोक उपाध्याय

बहराइच। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में चुनाव होने जा रहे है, जिसको लेकर नेपालगंज में भारत-नेपाल समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नेपाल से बाँके व बर्दिया के सीडीओ और भारत से जिलाधिकारी बहराइच डॉ. दिनेश चन्द्र के नेतृत्व में बहराइच व श्रावस्ती जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस, एसएसबी, वन सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी बहराइच डॉ. दिनेश चन्द्र ने आश्वस्त किया कि नेपाल

में आम चुनाव को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने में हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। सीडीओ बांके सूर्य बहादुर खत्री ने बताया कि आम चुनाव के दृष्टिगत नेपाल सरकार द्वारा 17 नवम्बर की मध्य रात्रि 12:00 बजे से 20 नवम्बर की मध्य रात्रि 12:00 बजे तक भारत-नेपाल सीमा आवागमन के लिए बन्द रहेगी। इस अवधि में जनपद बहराइच व श्रावस्ती के अधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक के दौरान सीमा स्तम्भों के रखरखाव, मादक पदार्थो व मानव तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने, सीमा पर हो रहे सड़क निर्माण, सीमा पर अन्य आवांछनीय गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने, वन सम्पदा की सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक के अन्त में भारत की ओर से डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र ने नेपाल के अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि को-आर्डिनेशन बैठकों से भारत और नेपाल के बीच प्राचीन युग से साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व राजनैतिक रिश्तों में प्रगाड़ता आई है। डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि आज भी भारत और नेपाल के बीच के रिश्तों को रोटी और बेटी के रिश्तों के नाम से याद किया जाता है। डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र ने पिछली देर रात आए भूकम्प पर चर्चा करते हुए कहा कि नेपाल में आए भूकम्प के झटकों को उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व दिल्ली में भी महसूस किया गया। इससे भी यह बात साबित होती है कि भूकम्प जैसी दैवीय आपदा में हमारी संवेदनाएं भी साझा रहती हैं।

भाजपा का मास्टर स्ट्रोक 'जहां झुग्गी-वहां मकान'

एमसीडी चुनाव को लेकर भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

झुग्गी में रहने वाले लोगों को दिखाया पक्के घर का सपना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 को लेकर भाजपा ने केजरीवाल के माथे पर एक बार फिर से चिंता की लकीरें खींच दी है। चौथी बार भी जीत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा दांव चला है। इसके तहत बृहस्पतिवार को भाजपा ने वचन पत्र (घोषणा पत्र) जारी किया है। जिसमें जहां झुग्गी, वहां मकान का जिक्र किया गया है।

एमसीडी चुनाव 2022 के मद्देनजर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने बृहस्पतिवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। बताया जा रहा है कि घोषणा पत्र में जहां झुग्गी, वहां मकान का वादा काम कर गया तो भाजपा चौथी बार जीत हासिल करने में कामयाब हो सकती है। इसे एमसीडी चुनाव में भाजपा का बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। झुग्गी में रहने वालों को घर देने का सपना दिखाकर भारतीय जनता पार्टी लोगों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पार्टी ने नगर निगम चुनाव के प्रचार के बीच विशेष अभियान शुरू करने का फैसला किया है। जहां झुग्गी वहीं मकान योजना में शामिल होने के लिए लोगों से फार्म भराया जाएगा।

मोदी ने 3000 से अधिक झुग्गी वालों को सौंपी थी फ्लैट की चाबी

हाल ही में कालकाजी में नवनिर्मित 3,024 फ्लैटों की चाबी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झुग्गीवासियों को सौंपी थी। भाजपा इसे प्रचारित कर रही है। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि केंद्र सरकार की योजनाओं से दिल्ली सरकार गरीबों को वंचित रख रही है। दिल्ली सरकार गरीबों को आवास देने में विफल रही है, इसलिए केंद्र सरकार यह काम कर रही है।

25,000 फ्लैट बनकर हो रहे तैयार

भाजपा पहले ही कह चुकी है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण लगभग 25 हजार फ्लैट बना रहा है। चरणबद्ध तरीके से इसे तैयार कर पात्र लोगों को सौंप दिया जाएगा। आने वाले दिनों में और भी फ्लैट बनाने की कोशिश है जिससे कि दिल्ली को झुग्गी मुक्त किया जा सके। दरअसल, दिल्ली नगर निगम की सत्ता तक पहुंचने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों की नजर झुग्गी बस्तियों में रहने वाले मतदाताओं पर रहती है। भाजपा के लिए यह कमजोर कड़ी है। बताया जा रहा है कि इसे ध्यान में रखकर पार्टी झुग्गी वालों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्हें केंद्र सरकार की जहां झुग्गी वहीं मकान योजना के तहत फ्लैट देने का वादा किया जा रहा है। इसके लिए झुग्गीवासियों से फार्म भरवाने का फैसला किया गया है।

आवास समस्या को लेकर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। रिटायरीज वेलफेयर सोसाइटी आईडीपीएल टॉउनशिप, विरभद्र ऋषिकेश, देहरादून, उत्तराखण्ड के अध्यक्ष एके मजूमदार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आवास समस्या के लिए गुहार लगाई है। उन्होंने कहा है कि उनके समेत तमाम वरिष्ठजन आईडीपीएल (भारत सरकार का उपक्रम) से जबरन सेवानिवृत्त किये गये है। चार वेतन वृद्धि न होने के कारण वर्ष 2003 में 1984 के वेतन पर सेवानिवृत्त किये गये है।

आईडीपीएल प्रबंधन पर जबरन धनराशि रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे सभी आईडीपीएल आवास में रह रहे है। सभी की आर्थिक स्थिति दयनीय है। प्रधानमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा है कि एक तरफ वरिष्ठजनों के लिए सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना चला रही है, वहीं दूसरी तरफ उनके जैसे तमाम वरिष्ठजनों से जबरन आवास खाली कराया जा रहा है। सोसायटी के महामंत्री राजेश सिंघल ने बताया है कि मांग पत्र को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत सभी सांसदों को भी भेजा गया है।

संजय राउत के बदले सुर कयासों का दौर शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने पात्राचॉल घोटाला मामले में जमानत पर रिहा होने के एक दिन बाद मीडिया से मुखातिब हुए। उनके बदले सुरों ने सबको चौंका दिया। उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे कुछ दिनों बाद देवेंद्र फडणवीस से मिलने वाले हैं। इसके बाद वे दिल्ली जाकर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिलेंगे। संजय राउत आज मीडिया से संवाद करने के बाद अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलने चले गए। इसके बाद वे शरद पवार से मिलने जाएंगे।

लखनऊ से खाली हाथ लौटी कानपुर पुलिस सोलंकी भाइयों की नहीं मिली लोकेशन

- सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने 10 विधायकों समेत 11 सदस्यों की जांच टीम की गठित
- 12 को रिपोर्ट सौंपेगा जांच दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जाजमऊ में प्लाट पर स्वामित्व को लेकर विवाद में झोपड़ी में आग लगाने और धमकाने का मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस अब आरोपित सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी की तलाश कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी मुख्यालय और विधायक के सरकारी आवास पर दबिश दी लेकिन खाली हाथ ही लौटी।

विधायक और उनके भाई के मोबाइल भी स्विच ऑफ हैं। नजीर फातिमा ने झोपड़ी में आग लगाने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ जाजमऊ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मंगलवार की देर रात जाजमऊ पुलिस ने विधायक के घर पर दबिश दी थी लेकिन विधायक नहीं मिले थे। इधर सपा अपने विधायक के समर्थन में उतर आयी है। पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने 10 विधायकों समेत 11 सदस्यों की जांच टीम बनायी है जो कानपुर जाकर पूरे घटनाक्रम की जांच कर 12 नवंबर को उन्हें रिपोर्ट सौंपेगी।

फोटो: 4पीएम

सम्मेलन इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली एवं इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटिकल एंड इंटरनेशनल स्टडीज, ईरान द्वारा लखनऊ में भारत-ईरान द्विपक्षीय संबधों पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित सांध्य दैनिक अखबार

सांध्य दैनिक 4PM जिद...सच की

के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

फोटो: सुमित कुमार

डेंगू से जंग लखनऊ के 1090 चौराहा से डेंगू की रोकथाम के लिए 400 से अधिक वाहनों को दवा छिड़काव करने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक महापौर संयुक्ता भाटिया के साथ हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।